

पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीता

स्रोत: डाउन टू अर्थ

अरब देशों में शावकों के अवैध व्यापार के कारण पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीता को आनुवंशिक विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।



पूर्वोत्तर अफ्रीकी चीतों के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- वैज्ञानिक नाम: एसनिोनक्स जुबेटस सोमेरिंगी (Acinonyx jubatus soemmeringii)
- परिचय:
 - यह चीता की एक उप-प्रजाति है जैसे पहली बार वर्ष 1855 में ऑस्ट्रियाई जीवविज्ञानी लियोपोल्ड फटिज़गिर द्वारा वैज्ञानिक नाम सनिलुरस सोमेरिंगी (Cynailurus soemmeringii) के तहत सूडान के बायुडा रेगिस्तान से वयिना में टयिरगार्टन शॉनबुरुन में लिये गए एक नमूने के आधार पर देखा गया था।
 - इसे सूडान चीता के नाम से भी जाना जाता है। यह उप-प्रजाति सहारन चीता आबादी के बजाय दक्षिणी अफ्रीकी चीता आबादी से संबंधित है।
- वितरण:
 - ये पूर्वोत्तर अफ्रीका, इथियोपिया और दक्षिण सूडान में पाए जाते हैं।
 - ये वसित्तुत खुली भूमि, घास के मैदानों, अर्ध-शुष्क क्षेत्रों और अन्यखुले आवासों में रहते हैं, जहाँ शिकार प्रचुर मात्रा में होता है जैसे कि पूर्वी सूडानी सवाना क्षेत्र में।
- आवास:
 - उनके आवासों में आम तौर पर विभिन्न प्रकार के पारस्थितिक तंत्र शामिल होते हैं, जैसे- सवाना, घास के मैदान और अर्ध-शुष्क स्थान, अक्सर वरिल वनस्पत के साथ जो उनकी उच्च गति शिकार रणनीति के लिये सक्षम होते हैं।
- खतरा:
 - लाल सागर (Red sea) के पार सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन जैसे अरब देशों में उनकी भारी तस्करी की जाती है।
 - नविस स्थान के नुकसान, मानव अतिक्रमण और शिकार के कारण, उनकी संख्या में काफी कमी आई है, मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों में

केवल कुछ बखिरी हुई आबादी बची है।

■ संरक्षण की स्थिति:

- **IUCN रेड लिस्ट:** लुप्तप्राय।

चीता (Cheetah)



सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: एसिनोनिक्स जुबेटस (*Acinonyx jubatus*)

- एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस (एशियाई चीता)
- एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की त्वचा; एशियाई चीते से मोटी
 - ❖ चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता
 - ❖ पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं
 - ❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** सुभेद्य (**Vulnerable**)
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
 - ❖ हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल
 - ❖ केवल ईरान में पाए जाते हैं; देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त घोषित किया गया
 - ❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** घोर संकटग्रस्त (**Critically Endangered**)



एशियाई चीता



अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC द्वारा "भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना" जारी की गई थी। (जनवरी 2022)
 - ❖ इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष 2009 में प्रस्तावित की गई थी।
- सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।
 - ❖ इन आठ चीतों को मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया जाएगा।
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।

